Tel. No. 0291-2625630

श्री पुष्टिकर श्री पुरोहित सूरजराज रूपादेवी स्मृति महिला महाविद्यालय

(जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर से सम्बद्ध)

सिवाञ्ची गेट, जोधपुर

Mail ID: spspsrsmmv@gmail.com website: spspsrsmmv.com

क्रमांक : श्रीपुश्रीपुसूरूस्मृ/म.महा.वि./2018/ दिनांक :

'मेरा जीवन मेरी स्मृतियाँ' विषय पर 'श्रीपुरोहित' मगनराजजी की स्मृति में दशम व्याख्यान माला

श्री पुष्टिकर श्रीपुरोहित सूरजराज रूपादेवी स्मृति महिला महाविद्यालय के संस्थापक **'श्रीपुरोहित श्री मगनराज'** की स्मृति में दसवीं व्याख्यान माला दिनांक **28.07.2018** शनिवार को दोपहर तीन बजे **प्रेक्षागृह, महिला महाविद्यालय सिवांची गेट** में आयोजित हुई। इस अवसर पर मुख्य वक्ता सुश्री राधा बहन (प्रख्यात गाँधीवादी विचारक), मुख्य समागत आशा बोथरा (सर्व सेवा, अध्यक्ष, गाँधी शांति प्रतिष्ठान), श्री रमेश चंद्र शर्मा (गाँधी युवा बिरादरी राष्ट्रीय अध्यक्ष), डॉ. ओ. पी. टाक (निदेशक, गाँधी शांति प्रतिष्ठान), श्री महेश बोड़ा (अध्यक्ष, श्री पुष्टिकर एज्यु. ट्रस्ट एसो.), श्री शांतिप्रसाद हर्ष 'काका' (सचिव, श्री पु. ए. ट्र.), श्री ओ. पी. लोहरा (सचिव, महाविद्यालय संचा. समिति), श्रीपुरोहित रमेश कुमारजी (सह सचिव, महा. संचा. समिति), श्रीपुरोहित सुभाष जी, प्रो. के. के. व्यास (प्राचार्य, महाविद्यालय) उपस्थित थे।

संस्थान सचिव श्री ओ.पी. लोहरा ने कहा कि समाज सेवी महिला शक्ति, महिला शिक्षा व महिला सशक्तिकरण के पुरोधा श्री मगनराज जी पुरोहित का वर्तमान में स्वप्न साकार हुआ है। आपको सच्ची श्रद्धांजलि देने हेतु प्रख्यात गाँधीवादी विचारक राधा बहन के विचारों से महाविद्यालय की छात्राऐं लाभान्वित हुई। राधा बहन का जीवन महिला सशक्तिकरण का जीता जागता उदाहरण है, जिसे महाविद्यालय की छात्राऐं अपने जीवन में उतारकर प्रेरक बनेगी। मुख्यवक्ता राधा बहन ने अपने व्याख्यान का शीर्षक 'मेरा जीवन मेरी स्मृतियाँ' पर प्रस्तुत किया। आपने अपने बचपन से लेकर वर्तमान जीवन तक की यात्रा का सुंदर प्रस्तुतिकरण कर प्रेक्षागृह की छात्राओं को भावविभोर किया। आपने बताया कि उत्तराखण्ड के ग्रामीण आंचल में पलकर सामाजिक परंपराओं से संघर्ष कर मैंने गाँधीवादी विचारक सरला बहन के प्रभाव में आकर समाज सेवा को जीवन का लक्ष्य बनाया। आपने गाँधीजी के प्रति अटूट श्रद्धा प्रकट करते हुए कहा कि गाँधीजी के सत्य, अहिंसा और शांति के विचार आज पूरे विश्व के विकास का आधार बने हैं। हमें सदैव गाँधीवादी विचारों से ओत-प्रोत हो रचनात्मक कार्य करने के लिये उत्साहित रहना चाहिए।

श्रीपुरोहित रमेश जी ने भावविभोर हो अपने पिताश्री को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि हमें अपने सपनों को साकार करने के लिये सकारात्मक प्रयास करने चाहिए। आपने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि छात्राऐं अनुशासन प्रिय होकर शैक्षणिक उन्नयनता के श्रेष्ठ शिखर को हासिल करे संस्था, क्षेत्र, प्रांत एवं राष्ट्र का नाम रोशन हो सके। आपने कहा कि मेरे पिताश्री द्वारा अपनी माता-पिता के नाम से खोला गया उक्त महाविद्यालय आज श्रेष्ठ आयामों को छू रहा है। इस हेतु संचालन समिति, प्राचार्य एवं समस्त कर्मचारियों को मैं साधुवाद देता हूँ।

कार्यक्रम के अंत में गाँधी युवा बिरादरी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मुख्य वक्ता राधा बहन के सम्मान में क हा कि विकट परिस्थितियों एवं सीमित संसाधनों में जो आपने कार्य किया वह अतिसराहनीय है। आपने क ाव्यात्मक ढंग से प्रस्तुतिकरण कर छात्राओं को प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. उषासूदन व्यास ने कि या।

(प्रो. के. के. व्यास)
प्राचार्य

(डॉ. तेजेन्द्र वल्लभ व्यास)
मीडिया प्रभारी